जनसंपर्क अधिकारी

पोलीस आयुक्त, मिरा-भाईंदर, वसई-विरार यांचे कार्यालय

रामनगरसुष्टी, मिरारोड पुर्व, जि. ठाणे

दुरध्वनी क्र. ०२२-२९४५१००१

E-mail: pro.cp.mb-vv@mahapolice.gov.in

प्रेस नोट क्रमांक :- १३५/२०२५ दिनांक :- २५/०३/२०२५.

मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालय व युनिसेफ यांच्या संयुक्त विदयमाने ‘बाल-रक्षा’ विशेष उपक्रमाचे उद्घाटन

“मा. मुख्यमंत्री यांच्या १०० दिवसांचा कृती आराखडा” कार्यक्रमाच्या अनुषंगाने मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालयामध्ये विविध उपक्रम राबविण्यात येत आहेत. त्याचाच एक भाग म्हणून मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालय व युनिसेफ (United Nations International Children's Emergency Fund) यांच्या संयुक्त विदयामाने बालकांच्या सुरक्षेकरीता ‘बाल -रक्षा’ हा विशेष उपक्रम सुरु करण्यात आला आहे.

सध्याच्या युगामध्ये लहान बालकांची सुरक्षा हा अत्यंत महत्वपुर्ण व संवदेनशील मुद्दा बनलेला आहे. पोलीस प्रशासन बालकांच्या सुरक्षेकरीता कटीबध्द् असून त्याचाच एक भाग म्हणून आज रोजी युनिसेफ या संस्थेच्या सहकार्याने ‘बाल-रक्षा’ हा बालकांच्या सुरक्षेकरीता एक आश्वासक उपक्रम मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालयतर्फे सुरु करण्यात आला आहे. बालकांचे हक्क व बालकांचे संरक्षण याबाबत जनजागृती करणे हा या उपक्रमा मागील मुख्य उद्देश आहे.

त्या अनुषंगाने पोलीस विभागातील बालकांच्या विषयी काम करणाऱ्या शाखांना अधिक सक्षम करण्यासाठी तांत्रिक मदत करणे, पोलीस विभागाच्या सध्या अस्तित्वात असलेल्या कार्यपध्दतीचे मुल्यांकन व सुधारण करणे, प्रत्येक पोलीस ठाण्यामध्ये लहान मुलांकरीता एक समर्पित जागा निश्चित करणे, बाल संरक्षणाकरीता पोलीसांची क्षमता विकसित करणे, कम्युनिटी पोलीसींग कार्यक्रमांचे आयोजन करणे, इतर संबंधित विभागांची या उपक्रमाकरीता मदत घेणे हि भूमिका युनिसेफ संस्थेमार्फत मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालयामध्ये असणार आहे.

सदरच्या बाल-रक्षा उपक्रमाचे उद्घाटन दिनांक २५/०३/२०२५ रोजी मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्त कार्यालयमध्ये मा. श्री. मधुकर पाण्डेय, पोलीस आयुक्त, मिरा-भाईंदर, वसई-विरार यांचे हस्ते मा. श्री. संजय सिंग, प्रमुख, युनिसेफ, महाराष्ट्र राज्य, श्री. दत्ता शिंदे, अपर

पोलीस आयुक्त, मिरा-भाईंदर, वसई-विरार व श्री. सुहास बावचे, पोलीस उप आयुक्त, मुख्यालय, श्रीमती पौर्णिमा चौगुले-श्रींगी, पोलीस उप आयुक्त, परिमंडळ -२, वसई व श्री. गोविंद बेनीवाल, प्रमुख सुरक्षा अधिकारी, युनिसेफ महाराष्ट्र यांच्या उपस्थित संपन्न झाला आहे. सदर कार्यक्रमाकरीता आयुक्तालय परिसरातील डॉक्टर, वकील, प्राचार्य व प्रतिष्ठित नागरिक आवर्जून उपस्थित होते.

मा. पोलीस आयुक्त मधुकर पाण्डेय यांनी उपस्थितांसमोर मनोगत व्यक्त करतांना लहान बालके भारत देशाचे उज्वल भविष्य आहे. त्यांची सर्वांगीण व सुरक्षित वृध्दी व विकास याकरीता मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालय कटीबध्द असलेबाबत ग्वाही दिली. मा. श्री. संजय सिंग यांनी देखील युनिसेफ संस्थेचे कार्य व हया उपक्रमाचा उद्देश सांगितला. तसेच इतर उपस्थित मान्यवरांनी देखील सदर कार्यक्रमाच्या अनुषंगाने मार्गदर्शन केले व शुभेच्छा दिल्या आहेत. सदरचा उपक्रम हा अत्यंत आश्वासक असून बालकांच्या सुरक्षेच्या दृष्टीने एक महत्वपूर्ण पाऊल आहे.

लोकमत

'बाल-रक्षा' विशेष उपक्रमाचे उद्घाटन पोलिस आयुक्त मधुकर पांडेय यांच्या हस्ते करण्यात आले.

बालकांच्या सुरक्षेकरिता 'बाल-रक्षा' विशेष उपक्रम

पोलिस आयुक्तालय, युनिसेफचा उपक्रम

लोकमत न्यूज नेटवर्क

मीरा रोड : मीरा भाईदर-वसई विरार पोलिस आयुक्तालय व युनिसेफ यांच्या संयुक्त विद्यमाने बालकांच्या सुरक्षेकरिता 'बाल-रक्षा' हा विशेष उपक्रम आयुक्तालयात सुरू करण्यात आला आहे.

२५
मार्च रोजी आयुक्त मधुकर पांडेय यांच्या हस्ते उद्घाटन

बालकांची सुरक्षा हा महत्त्वपूर्ण व संवेदनशील मुद्दा बनलेला आहे. त्याचाच एक भाग म्हणून युनिसेफ या संस्थेच्या सहकार्याने 'बाल-रक्षा' हा बालकांच्या सुरक्षेकरिता उपक्रम पोलिस आयुक्तालयतर्फे सुरू केला आहे. उपक्रमाचे उद्घाटन २५ मार्च रोजी पोलिस आयुक्त मधुकर पांडेय यांच्या हस्ते करण्यात आले. लहान बालके देशाचे उज्ज्वल भविष्य आहेत. त्यांची सर्वांगीण व सुरक्षित वृद्धी व विकास याकरिता पोलिस आयुक्तालय कटिबद्ध असल्याची ग्वाही पोलिस आयुक्त पांडेय यांनी दिली.

बालकांचे हक्क व बालकांचे संरक्षण याबाबत जनजागृती करणे, हा या उपक्रमामागील मुख्य उद्देश आहे. पोलिस विभागातील बालकांच्याविषयी काम करणाऱ्या शाखांना अधिक सक्षम करण्यासाठी तांत्रिक मदत करणे, पोलिस विभागाच्या कार्यपद्धतीचे मूल्यांकन व सुधारण करणे, पोलिस ठाण्यामध्ये लहान मुलांकरिता एक समर्पित जागा निश्चित करणे, ही भूमिका युनिसेफ संस्थेमार्फत पोलिस आयुक्तालयामध्ये असणार आहे.

यावेळी 'युनिसेफ'चे महाराष्ट्र प्रभारी संजय सिंग, अपर पोलिस आयुक्त दत्ता शिंदे, उपायुक्त मुख्यालय सुहास बावचे, उपायुक्त पौर्णिमा चौगुले-श्रींगी, युनिसेफ महाराष्ट्रचे प्रमुख सुरक्षा अधिकारी गोविंद बेनीवाल आदींसह डॉक्टर, वकील उपस्थित होते.

Hello Vasai
Page No. 3 Mar 26, 2025
Powered by: erelego.com

दैनिक यशोभूमि

एमबीवीवी पुलिस का बाल सुरक्षा अभियान

यशोभूमि / प्रतिनिधि

भाईंदर। नन्हें मासूमों का वर्तमान और भविष्य सुरक्षित माहौल में पनपे इस सकारात्मक उद्देश्य के साथ एमबीवीवी पुलिस एवं यूनिसेफ द्वारा संयुक्त रूप से बाल सुरक्षा नामक उपक्रम का शुभारंभ 25 मार्च को मीरा

बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रतिबद्ध

रोड स्थित पुलिस आयुक्तालय में किया गया। सभ्य समाज के सामने वर्तमान समय में छोटे बच्चों की सुरक्षा एक बेहद अहम और संवेदनशील मुद्दा बन गया है, छोटे बच्चों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा को लेकर एमबीवीवी पुलिस प्रशासन हमेशा से प्रतिबद्ध है। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 100 दिवसीय कार्य योजना के तहत निर्देशानुसार बाल सुरक्षा के प्रति कार्यक्षमता को सटीक और व्यापक

करते हुए यूनिसेफ के साथ पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे द्वारा संयुक्त रूप से बच्चों की सुरक्षा के लिए 'बाल-रक्षा' नामक उपक्रम की नींव रखी गई, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच बच्चों के अधिकारों और बच्चों की सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता पैदा करना है। तदनुसार एमबीवीवी पुलिस कमिश्नर अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत प्रत्येक पुलिस थाने में सिर्फ बच्चों के लिए अतिरिक्त स्थान, पुलिस विभाग में बच्चों की सुरक्षा और अधिकार को लेकर कार्य करने वाली शाखाओं को और अधिक सक्षम बनाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना, पुलिस विभाग की मौजूदा कार्य प्रक्रियाओं का मूल्यांकन और सुधार करना, बाल संरक्षण के लिए पुलिस की क्षमता विकसित करना, सामुदायिक पुलिसिंग (पुलिस और समुदाय) कार्यक्रम आयोजित करना, जैसे इत्यादि महत्वपूर्ण गतिविधियों को लेकर यूनिसेफ समय समय पर आयुक्तालय का मार्गदर्शन करने के साथ उचित सहयोग करेगा। उक्त उद्घाटन समारोह में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्ता शिंदे, महाराष्ट्र राज्य प्रमुख(यूनिसेफ) संजय सिंह, पुलिस उपायुक्त सुहास बावचे सहित पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी एवं यूनिसेफ के सदस्य, स्थानीय डॉक्टर, प्राचार्य एवं वकीलों का समूह तथा अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

27 Mar 2025 - Page 2

नवभारत

www.navbharatlive.com

बच्चों की सुरक्षा पर रहेगा विशेष ध्यान

MBVV पुलिस आयुक्तालय-यूनिसेफ की पहल

■ **मीरा-भाईंदर, (सं).** राज्य के मुख्यमंत्री की 100 दिन की कार्य योजना के अनुरूप मीरा-भाईंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय में विभिन्न गतिविधियां कार्यान्वित की जा रही हैं. इसके तहत एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय और यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष) के संयुक्त प्रयासों से बच्चों की सुरक्षा के लिए एक विशेष पहल 'बाल-रक्षा' शुरू की गई है.आज के दौर में छोटे बच्चों की सुरक्षा एक बेहद अहम और संवेदनशील मुद्दा बन गया है. पुलिस प्रशासन बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इसके एक हिस्से के रूप में मंगलवार को यूनिसेफ के सहयोग से, पुलिस आयुक्तालय द्वारा बच्चों की सुरक्षा के लिए एक आशाजनक पहल 'बाल-रक्षा' शुरू की गई है. इस गतिविधि के पीछे मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों और बच्चों की सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता पैदा करना है.

इस कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस विभाग में बच्चों पर काम करने वाली शाखाओं को और अधिक सक्षम बनाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना, पुलिस विभाग की मौजूदा कार्य प्रक्रियाओं का मूल्यांकन और सुधार करना, प्रत्येक पुलिस स्टेशन में बच्चों के लिए एक समर्पित स्थान निर्धारित करना, बाल संरक्षण के लिए पुलिस की क्षमता विकसित करना, सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम आयोजित करना, इस गतिविधि के लिए अन्य संबंधित विभागों से मदद लेना होगा आदि का समावेश है.उक्त बाल संरक्षण पहल का उद्घाटन पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे के हाथों ,यूनिसेफ महाराष्ट्र राज्य के प्रमुख संजय सिंह,अपर पुलिस आयुक्त दत्ता शिंदे, पुलिस उप आयुक्त सुहास बावचे आदि के उपस्थिति में संपन्न हुआ.

Mumbai plus Edition

Mar 26, 2025 Page No. 4

Powered by: navbharatlive.com

1997 से
KAT खबरें आज तक
not a publication of the living media india group
वर्ष: 28 अंक-276 मुंबई, गुरुवार 27 मार्च 2025 पृष्ठ-12 मूल्य :2.00

बालकों के बुनियादी ढांचे को लेकर यूनिसेफ तथा पुलिस कमिश्नरेट का अनुपम प्रयास

भाईंदर: भारत में बच्चों की सुरक्षा को सामाजिक विकास के रूप में तेजी से स्वीकार किया जा रहा है क्योंकि लाखों बच्चे हिंसा, दुर्व्यवहार और शोषण का शिकार होते हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के '100 दिवसीय कार्य योजना' के अनुरूप सरकार बालकों के बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर जागरूक है ! इसी क्रम में मीरा-भाईंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय तथा यूनिसेफ (संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष) के संयुक्त तत्वाधान में बच्चों की सुरक्षा के लिए एक विशेष उपक्रम 'बाल-रक्षा' शुरू की गई है।

इस विशेष उपक्रम का पुलिस आयुक्तालय में पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे के कर कमलों द्वारा यूनिसेफ महाराष्ट्र प्रमुख संजय सिंह, अपर पुलिस आयुक्त दत्ता शिंदे, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय सुहास बावचे, पुलिस उपायुक्त, परिमंडल 2 पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी, यूनिसेफ महाराष्ट्र के मुख्य सुरक्षा अधिकारी गोविंद बेनीवाल, शहर के चिकित्सक, अधिवक्ताओं, प्राचार्य तथा गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में बाल रक्षा उपक्रम का उद्घाटन किया गया ! इस बार अवसर पर पुलिस आयुक्त मधुकर पांडे ने अपने संबोधन में कहा कि छोटे बच्चों का भारत में भविष्य उज्ज्वल है, तथा वे बच्चों के पूर्ण और सुरक्षित विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं ! इस अवसर पर यूनिसेफ के संजयसिंह ने यूनिसेफ संस्था के कार्यों और इस गतिविधि के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि बाल सुरक्षा उपक्रम आशाजनक तथा बाल सुरक्षा की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम है।

यदि देखा जाए तो मौजूदा दौर में बच्चों की सुरक्षा अहम और संवेदनशील मुद्दा बन गया है जिसको लेकर अब पुलिस प्रशासन इस उपक्रम को लेकर बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इसके एक हिस्से के रूप में, यूनिसेफ के सहयोग से, पुलिस आयुक्तालय द्वारा बच्चों की सुरक्षा के लिए एक आशाजनक पहल 'बाल-रक्षा' शुरू की गई है। जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों के अधिकारों और बच्चों की सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता पैदा करना है। यहां यह गौरतलब है कि यूनिसेफ के माध्यम से मीरा-भाईंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की भूमिका पुलिस विभाग में बच्चों पर काम करने वाली शाखाओं को और अधिक सक्षम बनाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना, पुलिस विभाग की मौजूदा कार्य प्रक्रियाओं का मूल्यांकन और सुधार करना, प्रत्येक पुलिस स्टेशन में बच्चों के लिए एक स्थान निर्धारित करना, बाल संरक्षण के लिए पुलिस की क्षमता विकसित करना, सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रम आयोजित करना, इस गतिविधि के लिए अन्य संबंधित विभागों से मदद लेना होगा।

लहान मुलं भारताचे उज्वल भविष्य

'बाल-रक्षा' विशेष उपक्रमाचे उद्घाटन

मिरा-भाईंदर :

सध्याच्या युगामध्ये लहान बालकांची सुरक्षा हा अत्यंत महत्वपुर्ण व संवदेनशील मुद्दा बनलेला आहे. पोलीस प्रशासन बालकांच्या सुरक्षेकरीता कटीबध्द् असून त्याचाच एक भाग म्हणून युनिसेफ या संस्थेच्या सहकार्याने 'बाल-रक्षा' हा बालकांच्या सुरक्षेकरता एक आश्वासक उपक्रम मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालयतर्फे सुरू करण्यात आला आहे. बालकांचे हक्क व बालकांचे संरक्षण याबाबत जनजागृती करणे हा या उपक्रमा मागील मुख्य उद्देश आहे.त्या अनुषंगाने पोलीस विभागातील बालकांच्या विषयी काम करणाऱ्या शाखांना अधिक सक्षम करण्यासाठी तांत्रिक मदत करणे, पोलीस

विभागाच्या सध्या अस्तित्वात असलेल्या कार्यपध्दतीचे मुल्यांकन व सुधारण करणे, प्रत्येक पोलीस ठाण्यामध्ये लहान मुलांकरीता एक समर्पित जागा निश्चित करणे, बाल संरक्षणाकरीता पोलीसांची क्षमता विकसित करणे, कम्युनिटी पोलीसींग कार्यक्रमांचे आयोजन करणे, इतर संबंधित विभागांची या उपक्रमाकरता मदत घेणे हि भूमिका युनिसेफ संस्थेमार्फत मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालयामध्ये असणार आहे.

बाल-रक्षा उपक्रमाचे उद्घाटन मंगळवारी मिरा-भाईंदर, वसई- विरार पोलीस आयुक्त कार्यालयमध्ये मधुकर पाण्डेय, पोलीस आयुक्त, मिरा-भाईंदर, वसई-विरार यांचे हस्ते संजय सिंग, प्रमुख, युनिसेफ, महाराष्ट्र राज्य, दत्ता शिंदे, अपर पोलीस आयुक्त, मिरा-भाईंदर, वसई-विरार व सुहास बावचे, पोलीस उप आयुक्त, मुख्यालय,पौर्णिमा चौगुले-श्रींगी, पोलीस उप आयुक्त, परिमंडळ २, वसई व गोविंद बेनीवाल, प्रमुख सुरक्षा अधिकारी, युनिसेफ महाराष्ट्र यांच्या उपस्थित संपन्न झाला आहे. सदर कार्यक्रमाकरता आयुक्तालय परिसरातील डॉक्टर, वकील, प्राचार्य व प्रतिष्ठित नागरिक आवर्जून उपस्थित होते.

पोलीस आयुक्त मधुकर पाण्डेय यांनी उपस्थितांसमोर मनोगत व्यक्त करतांना लहान बालके भारत देशाचे उज्वल भविष्य आहे. त्यांची सर्वांगीण व सुरक्षित वृध्दी व विकास याकरता मिरा-भाईंदर, वसई-विरार पोलीस आयुक्तालय कटीबध्द असलेबाबत ग्वाही दिली.